

परमेश्वर किसके जैसे दिखाई देता है?

परमेश्वर के बारे में प्रश्न

परमेश्वर आत्मा है (यूहन्ना 4:24), इसलिए उसका स्वरूप किसी के भी जैसा नहीं है, जिससे हम उसका वर्णन कर सकें। निर्गमन 33:20 हमें बताता है, "तू मेरे मुख का दर्शन नहीं कर सकता, क्योंकि मनुष्य मेरे मुख का दर्शन करके जीवित नहीं रह सकता है।" पापी मनुष्य होने के नाते, हम उसकी सारी महिमा में परमेश्वर को देखने के सक्षम नहीं हैं। उसका स्वरूप पूर्ण रीति से अकल्पनीय और इतना अधिक महिमामयी है, कि एक पापी व्यक्ति के द्वारा समझा ही नहीं जा सकता है।

बाइबल वर्णित करती है, कि परमेश्वर विभिन्न अवसरों पर लोगों के सामने प्रगट हुआ। इन घटनाओं को इस रूप में नहीं समझा जाना कि ये सटीकता से वर्णन कर रहे हैं, कि परमेश्वर किस के जैसा दिखाई देता है, अपितु इसे ऐसा समझा जाना कि परमेश्वर स्वयं को हम पर इस रीति से प्रगट कर रहा है, कि हम उसे समझ सकें। परमेश्वर किस के जैसा दिखाई देता है, हमारी समझ और वर्णन से परे की बात है। जैसा परमेश्वर दिखाई देता है, वह उसके प्रति झलकों को देता है, ताकि वह हमें अपने बारे में सत्यों की शिक्षा दे सके, यह आवश्यक नहीं है, कि हमारे मनों में इसे लेकर उसका स्वरूप ही निर्मित हो जाए। दो संदर्भ यहजेकेल 1:26-28 और प्रकाशितवाक्य 1:14-16. ऐसे हैं जो बड़े सामर्थी तरीके से परमेश्वर के अद्भुत प्रगटीकरण का वर्णन करते हैं।

यहेजकेल 1:26-28 घोषित करता है, "जो आकाशमण्डल उनके सिरों के ऊपर था, उसके ऊपर मानो कुछ नीलम का बना हुआ सिंहासन था; इस सिंहासन के ऊपर मनुष्य के समान कोई दिखाई देता था। उसकी कमर से लेकर ऊपर की ओर मुझे झलकाया हुआ पीतल-सा दिखाई पड़ा, और उसके भीतर और चारों ओर आग-सी दिखाई पड़ती थी; फिर उस मनुष्य की कमर से लेकर नीचे की ओर भी मुझे कुछ आग-सी दिखाई पड़ती थी; और उसके चारों ओर प्रकाश था। जैसे वर्षा के दिन बादल में धनुष दिखाई पड़ता है, वैसे ही चारों ओर का प्रकाश दिखाई देता था। यहोवा के तेज का रूप ऐसा ही था। उसे देखकर, मैं मुँह के बल गिरा, तब मैं ने एक शब्द सुना जैसे कोई बातें करता है।" प्रकाशिवाक्य 1:14-16 घोषित करता है, "उसके सिर और बाल श्वेत ऊन वरन् पाले के से उज्ज्वल थे; और उस की आँखे आग की ज्वाला के समान थीं। और उसके पाँव उत्तम पीतल के समान थे जो मानो भट्टी में तपाया गया हो; और उसका शब्द बहुत जल के शब्द के समान था। और वह अपने दाहिने हाथ में सात तारे लिए हुए था: और उसके मुख से चोखी दोधारी तलवार निकलती थी; और उसका मुँह ऐसा प्रज्वलित था, जैसा सूर्य कड़ी धूप के समय चमकता है।"

ये संदर्भ यहेजकेल और यूहन्ना परमेश्वर के प्रगटीकरण को अपने सर्वोत्तम प्रयासों के द्वारा प्रस्तुत करते हैं। उन्हें चिन्हात्मक भाषा का उपयोग उन बातों की व्याख्या के लिए करना पड़ा जिसके लिए मानवीय भाषा में कोई शब्द नहीं थे, अर्थात् जैसे कि "कुछ ऐसा दिखाई देता था," "मानो उसके समान था," "उस जैसा था" इत्यादि। हम नहीं जानते कि हम कब स्वर्ग में होंगे,

"उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है" (1 यूहन्ना 3:2)। अब और अधिक पाप नहीं होगा, और हम उसे उसकी महिमा में परमेश्वर को पूरी तरह से समझने के योग्य हो जाएँगे।

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-God-look-like.html> | English: <https://www.gotquestions.org/what-does-God-look-like.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org